

Title of Mss. : *Gnyan Ratna*

No. of Folios : *Namas Phata*

Materials : *2p ✓*

Conservation : Preventive/Curative

Performed by KKHL, MCC: GU

National Mission for manuscripts,
New Delhi,

Date *29.10.06 38*

ଜ୍ଞାନ ସତ୍ତ୍ୱ - ନାମବସ୍ତୁ
କାମଜ୍ଞାନ ଆଧ୍ୟାୟ ୧-୨୨
ଆଧ୍ୟାୟ ୧୩ ନିଗନ୍ତ - ନାମ
ସୋପାନ - ସତ୍ତ୍ୱ - ନାମ
୨୫x ୨୧.୫ ଟି, ୧୫, ୧

• Chidananda Goswami
KKHL MRC Catalogue

ଗାହିର୍ଜାନ ବସ୍ତୁ ନାମୋକ୍ତ କ

শ্রী ১
শ্রী হৃদয়নামোঃ ॥ জয়নামোঃ শ্রী বালকবিনয়শ্রী ॥ একতরবার শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ নমো দেবদা
মোদরশ্রী শ্রী শ্রী ॥ কাহার শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ জ্ঞানকল্পনামেই তো নন্দঅনুনা
ম ॥ কাহে জানি শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ নাম শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥
শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥
শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥
শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥
শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥
শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥ শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী শ্রী ॥

নোহোমিতোস্তুর্যোস্তথেষ্টোস্তবীম ॥ ভাগবতমাথোভাবভৈলজীবগ্নান । ইরমুস্ত
মানিত্তুজোক্তেস্তবান ॥ শ্রবনস্তীত্তনদাম্যস্তাষ্টিআচকস্ত ॥ দেহেষ্টমবেস্তবিন
দেহমমলিস্ত ॥ চারিটিমবনচারিনামচারিস্থো ॥ বাহিষা দ্বাত্তত্তজানেজিতোয়মাতমা ॥
মোহুজেনমারুস্তকজানিগানিস্ত ॥ শুকবাকবেদবানিকবিবেম্যাস্ত ॥ শুকববৃক্ষায়ে
দেহমহোমেইন্দ্রিয় ॥ বিষ্ণুজীবস্থানোদেবভৈলানিদিয় ॥ শীথেষ্টবনদতমেববাস্তবম
তি ॥ মবদেববেদশীথশুকবস্থাস্ত ॥ শুকবস্থাস্তকবিষ্ণুশুকমহেষ্ট ॥ কোতি
বস্থানোববতিশুকবিস্থেষ্ট ॥ শুকমেবমবস্থানামবমুক্ততি ॥ স্মৃতিমগলয়বৃত্তো

বিবাহে নুবোধ শুক্রে য়ে য়বন । শুক্রে^৪ জাচ শুক্রে হোত্তা কা য়ন ॥ জিবাব শুক্রে ত লগা বে ডা ডি
কা বি । সিতো দ্রষ্টা য়ানু নি শু জ শু দে ব হ বি ৫ জ মে জ মে মি তো মা গ ন চা ড় শু ॥ স্নান শু য় ব
স্ব রূ প স্নান শু ক্রে শু ৫ ৩ ক্র তো ড় ব শু স্নান কা ব য়া দি জি ॥ শু ক্রে ত ল গা ই লে প বে মি লে স্না
স্নান শু ৫ ৩ ক্রে স্না জি শু দ্র শু শু ক্রে ত ল গা ব ৫ য় য়া শু স্না ক্রে ক্রে বা মে বা না দে বা ব ৫ জি প ব
ম নু মে শু শু ক্রে জা ব বা না শু । জি ন মে জি ন মে মি য়ে ম হা দ্র য় বা শু ॥ শু ক্রে ত না শু ক্রে জা ব শু ক্রে বি ক্রি
৩ । ক্রে ক্রে হো ব য় মা বি য়া ক্রে মে হি শু ॥ না না য়ো নি শু বি শু বি য়া ত না শু জি শু । য়ে নো ক্রে মে তা ব
দ্র য় ক্রে দা নি লে শু ॥ শু ক্রে মে বা বি নে তা শু ক্রে তান নি মি ল য় । শু ক্রে তান হি নে হে মে স্না
ক্রে য় য় ॥ ৬ ক্রে জি শু ক্রে জি মা বি বে ক মা বি মা বি ॥ শু ক্রে ক্রে শু ক্রে ক্রে য় দ্র য় ল ক্রে ন বা বি ॥ শু ক্রে ক্রে

महि

अस्मिन्मन्त्रेन विदुषा न कर्तव्यं । त्रिदशैर्नमस्कृत्य होतुं शक्यं ॥ शुक्रकर्मोक्तं देवकर्मस्य ज्ञा
 तात् ॥ शुक्रवस्तुं श्चाचरन्नेव सिद्धिर्न कारु ॥ तावमेवास्मिन् कर्तव्यं निर्विघ्नं होतुं ॥
 हेतुना कर्मोपादेयं नैव विवेकात् ॥ देवकर्मविनश्यतो मरणमेवात् ॥ मनुष्यकर्मविन
 श्यतो देवगणतः ॥ शुक्रकर्मविनश्यतो मनुष्यगणतः ॥ एतदेवेतानि वा शुक्रकर्मस्य मूर्खानां ॥ शुक्रं
 मन्त्रिनिर्दिष्टं कर्तव्यं प्रविष्टम् । नार्थं मनुष्यातावेतमेव शुक्रं बुद्धिर्दृश्ये ॥ न कर्मशुक्रं कर्मो हेतुना
 मकर्मस्य च । न कर्तव्यं शुक्रं वा नैव मूर्खस्य कर्मस्य च ॥ देवकर्मविनश्यतो मनुष्यगणतः ।
 एतिसुक्रं मन्त्रिनिर्दिष्टं कर्मस्य च ॥ एतदेवेतानि वा शुक्रकर्मस्य मूर्खानां । वाह्यं विहितं च

३

আদে শ্রুত হুদেহে ৫ বাহু কৈতজ্ঞান দাতামুষ্ণিগুণোমত ৭ মা স্বভবত আত্মাক্রোধো

ছে ৮ ৯ ১০ ৪ শ্রুত আনব দেবী অশেষনাম ১ শ্রুত মেবেয়ান দেবী অমমুদা ৭

শ্রুত গুহুত শ্রামু মবেফোলে শ্রেষ্ঠ শ্রান ৫ শ্রুত শ্রেষ্ঠে মাষি মা বেদী ক্রম শ্রাওটা ন ৭ ৮ শ্রুত

শ্রেষ্ঠ অমম শ্রেষ্ঠ নাহি নাহি শ্রান ১ জাত বা মা কৈ মে হোবে গো শী রম মান ৫ শ্রুত বি শ্রেষ্ঠ

জগনাথ জ্ঞান বিক ১ শ্রুত দাত্তী লক্ষ্মী দুর্গা মম মানি বিক ৫ শ্রুত সু শ্রুত উল্য শ্রব শ্র

গনে মা ১ শ্রুত তা শ্র শ্র কৈ ন লক্ষন বিমোষ ৫ শ্রুত বং শ্র বিষ্ণু শ্র শ্র বিষ্ণু তি দেবতা ১ নিজি বশ্র

শ্রুত বুলি কবি বিমমতা ৭ দেহ গে হু লু ৭ তা শ্র জ্ঞান শ্রি বা ১ ম বা তো শ্রা কৈ শ্রুত শ্রা শ্র মমতা

মমতা বে শ্র মতা কৈ ন বোল ৩ শ্র ম ডাকি বিনে ৩ শ্র কৈ দি বিনো হ্র ৫ শ্রি ব শ্র ম হ্র

দনবদ্বৈষমাজ্ঞত । গুরুইশ্বরকচিলিবিকল্পদয়া ৭ শব্দবনুইহুতুৎ শব্দবদ্বৈষ । ববহতয়
বদাতাশুকুমান্যধব ৭ হেনকবেগুরুকচিলিবমাবদার্থ । বোবিসকালবাম্মগুরুক
শ্রাউষ্ঠাই ৭ গুরুশ্রুত্বানুশ্রাউষ্ঠশ্রবনমানিব । গুরুতমনুষ্টাতায়েনবকেমাজিব ৭ জেহিজে
হিকপেবুজোকবয়গুরুক । মেহিসেহিকপেবুজোকবয়ব ৭ শ্রাবুনিযুজোক ৭
জিতামহানাপিকবেগুরুকনিদ্যক । সিতোজনসেহিষাদোহোবুচোবুচোবু ৭ গুরু
কতেজ্যাজিবাইকিাবকবি । গব্ববম্মশ্রুশ্রুত্বানুশ্রুহোয়েমাব ৭ নাবকীনিদিয়েমাবকতাক
মমুদার্থ ৭ জম্মেজম্মেগাতিজাবকোনোকোনোনার্থ ৭ হেনজানিগুরুমেবাকদানিনেবিকি ৭
শ্রাবুনাষদেহহেনগুরুকদেমিষ ৭ জাতহুতুতুজিকিউনউনউনদেসমদার্থ ৭ তাহাতে

শিঙ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥
वक्तुं शक्यं नैकैः पुरुषैः ॥ अथ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥
इ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥
ताकथा सुनिश्चितं च ॥ अथ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥
पुलाय ॥ अथ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥
शुकं मे श्रोतव्यं ॥ अथ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥
निकाशकं गोकुलं ॥ अथ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥
योगस्यैवायं ॥ अथ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥ श्रीकृष्णस्य कृतं श्रीमद्भागवतं ॥ १ ॥

७ विचारः १ देवदत्तानन्दः आर्कप्रकाशः अर्कनेदेवर्द्धदाय ५ अर्कनवदति दामोदरनाति-
 श्रुतेश्वरनिवेदनः ५ नामतत्त्वसारः कश्चिद्वाचाशेषः मूमायकवाच्येन ५ हेनश्चनिषेधैः
 वाच्यनिर्गोमावेः कश्चिवाकस्मैश्च वाच्यशिलाः १ शान्तिशोधकः नामविबन्तः प्रकृतमितिकाश्री
 माशुतनामः श्रुतेश्वरकतः शुक्लेश्वरकत १ आशुतेश्वरः मिथिलानामः कश्चित्
 ७ नामग्रन्थ- १ नामविचारः नक्ततुसारः राजविश्वेश्वर ५ उद्देश्यवित्तः नामग्रन्थ-
 हनेः मेवातोवाहोरेडार्य ५ नामेमेमन्दिरः ईश्वरकश्चित् १ नाममेजानामाश्रित
 श्रुतेश्वरदेवः नवमाश्रितेश्वरः वैकुण्ठजानानाम ५ शुक्लेश्वरकतः नामग्रन्थकतः प्राय
 मोमिश्वरेश्वर १ अक्षय- एतेकमेमितोः विष्टेश्वरकतः विष्टेश्वरकतः ५

किकेर्बाश्रि चाबिनामप्रेच्छा आदिनामोदिवताम् । तिनित्तनेतिनिः ब्रह्माविष्टुर्बः तिनित्ता-
मत्तेलमात्रं प उक्तित्वरुक्मः मन्वनेमेवौजः एतेकेप्रेच्छामवन । अस्तुतनामत्रः उक्तुक
उदुः आम्रदुष्टोमूनकारुनं प मवननकारिः नामाश्रुचिभिः नृद्वैवेमिद्वितकति । नामाश्रुकारुन
आदीतेमवनः तावमून सुवनति प कस्तुनवृथाः शानुमहेमाः वृथाश्रुचिनडिक्तुना अकारुत
विष्टुः आश्रुतुतुतु ^{वा} जानित्तोहोरुमोक्तु प पृथिविमापितेः तेजुमापवनः आम्रदुष्टिप
क्रमः गतमेआदिष्टेः विष्टुमिष्टुमाः देवचाश्रुतुक्रमं प माविष्टिकमनाः मवनतुष्टिमा-
वाष्टिकामिष्टिप ^{वा} क्रम । गोपालगोविन्दः श्यामस्तुष्टुहारिः नामाश्रुतुक्रमं प पक्रुम
शुक्तः पक्रुविमातुतुः जानित्तुकरुवावधानः । तवेमोनामवः ऐतनुमाहितः शिष्टेरुमातुतु

५

कृतं न प नासदमहेतुः सार्विकालकृतं च कृतं च नामसद्भादिः । अत्र च व न त्तः इत्यदिवाताः कत्
 जत वेदवादिः ५ तिननामे निताः माताप्राति व नुः भूतमोश्च गोवत्तेषु । अथ तत्तुद्वा
 गः अथ तिमो जगतिः अथ त्महत्तु वत्तेषु ५ नामत निवितिः जानिवा अकृतिः अकृतिमो मि
 त्तामाता ५ अकृतिमोदरः अकृतिदोशयः अकृतितामा विधाता ५ अकृतिमिगति
 अकृतिमिगतिः अकृतिवधु वीनतामः । अकृतिविनाशः अकृति किञ्चनम्भः अकृतिमिगुत्तवन ५
 नामोत्तप्रजनेः नामेनिज्जस्यः नामे अकृतिव बीज ५ नामे अकृति बाजः नामे अवि का वः नामे
 मायक मी निज ५ अकृतिवधु वीनः अकृतिमो निज्जिवन ५ नाम विने आनः अकृतिमो
 कोनः अकृतिमो वगव न ५ अकृति वतनामः नामतमा वीरः अकृतिमाहे मोकोति ५ अकृतिमो अकृति
 वः अकृतिमो निज्जिवा = मायु सव हि सु सुति ५ अकृतिमो अकृतिः अकृतिमो अकृतिः अकृतिमो अकृति

व

জনক। পাদমাত্তাষ: নামে ক্র শকরে: ননং হুবে মুক্তিমে শ্র ৫ নাম বব হু: অ ক্র মুক্তি বন
মুনা ৭ ৫ মন বোরি। ডা কনো কানি মে: নাম ব মে বন: বে শা তা ষ গু ক হু যি ৫ রু প দ ত ম স্য:
কু দ্বা ব ত দে গ ম্য: ম দ গ স ত ন ব হু। ন ব গ য়ে ব বা হু: অ দ গ য়ে ব বা মন: কু ক রা ব শ্রী বা ম হু যি ৫
ই দ গ য় ত হু যি: বা ম ক রা ব ত: প সূ ব ম য়ে ব তা ব: ক রা ক রা ব ত বু ক: ক লি ক ম কা ব ত: ম বে ক
মি ম পূ ন মার ৫ অ ত্ত ব শ্র ক রা ক হু ক হু য়ে ব তা ব: লু ন শ্রী ক হু দে দে ক। নাম লু ন গু ক: হু যি পূ
লু ন ত ক: দে ব ক হু ক হু প ম য় ৫ অ ক হু অ ম ম য় প দ দু হু হু যি ম দ দ হু: বা মে মে মি যি নাম ব। নি স্ত
ন ক হু ক হু মে চে ত লু হু য়: বা হি মে ব হু য়ে ব ৫ এ তে কে না ম ত ড ত ষ ষ ষ: দে ব দে বি ম বে শ্রা চে। নাম
বি নৈ ক রা ব: মি যি গো হু ক হু ড়া ন বা দো ম ক রা চে: ৫ ষ ষ ষ ষ হু হু য়ে বা চে ষ ষ নৌ ক য় য়

9

विष्णुश्च १ यादजाठ्याविः चलेभुमाविः विमिठेनार्थे कूर्त्तुं न च पाठिबगोठेः उवाजावदुया
 वेः उवाकुरुवेयोदामाव । एवनेथास्वविः नोकावावेधविः मंसाववहोयापाव ५
 अहिर्बुध्नित्वाङ्कः कविलाविदायः नवमानदेगोमार्त्त । अर्जुनेताङ्कः प्रनामकविथाः से
 नञ्चोपानेनोत्त ५ मूर्त्तानवलोक उदलतिमित्त्वाङ्क नोमठेविम्यासद्वो । विम्यामत्तुत्तः ना
 म्मिङ्कात्तः एवेगोक् वाक्येवा ५ विम्यविषवः नत्वेवागोठे च्छान्तागेथाकिवावेत् । आदो
 नावहित्ता आदोनिआठविः इविकद्रदयेत्तु ५ बाहिवत्तमङ्कः तितरेत्तमङ्कः नत्तकवधविकान
 म्भकनविठारः कविवावधवः वानाताकिवावधम ५ ० ५ ७ ५ ८ वि ५ अन्तियौकथात्त

ব: বেষ্ঠেবমাহিমামার: একদিনাবেহারমতত । উজনিখাবাদুরামে: পুচিন্তসারথানে:
পুরুষোত্তমপুত্রদেবত: নমোনমোপুত্রদেব: স্ববানাবেকবোমোব: মোতকহামতুপাবিচ্ছয়
বেষ্ঠেবসতসতেন কনহিমামনসাবেদ: মশার্বোকপুত্রপামায় ৭ হেনয়পুাননননামনি:
প্রদুেষদিনামুষ্টিশনি: মনেমহামানদকসাতু। বদতিপোকুযোমি: সুনামাপুবাণোবাম: ৩১
নকথামুষ্টিগোত্রাতা ৭ বেষ্ঠেবমেমহাবিষ্ণু: বিষ্ণুমেবেষ্ঠেবনিষ্ঠে: হুবিষ্ণুজানিবামথানে:
বেষ্ঠেবেহুবিষ্ণুপ: হুদাবনসম্মাথল: নামবমহিন্দরহুবিষ্ণুান ৭ দাদমামহুসমহু: প্রতি
বনেবান্দ্রকক: আগরতমাশ্রমেপুত্রতব। বান্দ্রককবেষ্ঠেব: বান্দ্রককআগরত - বান্দ্রনামবান্দ্র
তববব-৭ বান্দ্রবনবান্দ্রগোত্র: বান্দ্রগোত্রবান্দ্রহুবি: বেষ্ঠেবসমবিষ্ণবনত। বেষ্ঠেবনতহুবি

विश्वकर्मसुभदाः प्रेमतास्त्रिभुनातिवतः जानिषुद्वन्द्वनवनः चम्पकजेलद्ववनः मालतिकेतरी
कन्दवनः कदम्बशोभाकवनः सुकुम्भवनसुवनः निकरुषुभिमैवाकवनः ५ ठाकुरिशाठवा
रुलि विवजाळ् जेसर्धावताः कन्दवती कन्दवती आरुमसुमतिः ५ मन्मालाकन्दमन्मालाः
अमोवेम्विमावरीः बाहुगोपिमोदविमानति ५ केमवशीनावायनः मावरागाविदविद्व
विद्विद्वमशीमसुसोदनः ५ शीवशी सुकुकेमानधनातदामोदवः वाश्वजनामशीवायनः ५
शुदामसुदामवसु = दामसुवनसुनासु = म सुतास्त्रिभुदवठद्वडानः ५ वीवडानसुसुडान = वसुड
नवसुसुडान = बाहुगोपत्राकसुडानु ५ द्वादशमसुसुडानु = कपोतनयनसुसुडानु = निहिडाग
बाहुजुडदव ५ सुकु सुकुजुडवावादवहि बाहुश्रीमसुसुडानुः ५ अशातवि सुसुडानुदव ५

চারী নামাচারিকথা: চারিটি মননতথা: ইতোবাঙ্কতরু বানিন্দিয়। কিকরুবাচারিনাম: মগুনানিগুন
 বৃহদ: চারিকথাক হোমবিচার ৫ বিত্তানমাহিত উত্তান. তদক্ষর ইচ্ছামে. ইমেচারিকথা
 গবত: ইচ্ছাষেবন উত্তান: শুকমেবোবোবিত্তান- মাধুমক্ষতদক্ষবিজ্ঞানদিত ৫ শ্রবততবাতবন
 বহুম্বকাইয়োমম্ম: নামমন্তুতুতুগবত। আকনামচারিকমমে: একথবিযদিজানে: মেহিজনবি
 কনমহুত ৫ মহুতবমক্ষায়াবি শুবনকীর্তনকারি অষ্টততবাতমিনেজম্ম। উত্ততিবমুন
 ত: শং শাসমাগবত: বেষ্টিবমক্ষাসমুদাই ৫ মামুমেবমতীথ: বেষ্টিবমমহিত:
 উত্ততিমোবাকবোমোকব: মহুতবমমম্ম: মহুতবমোকম্মতুতু: উত্ততিনৌকারদতুব ৫ মমম
 দেবতামম্ম ৫ মমমুত্তিদিখামম্ম: কুমুত্তিমামুত্তামতাব:। জাবনাদেবেনুমাথে: লাতকবনক
 দহে: প্রমানদেববয়প্রচার- ৫ মুদুত্তিমুদুত্তিমুদু

~~विद्यमान~~ जिथान उ विदि उ उः मायुमावनिवामाक र्वा । मये मये मये बोयोः सिताथान र्वा
 ३१३ = उकारवनाविष्टे र्वा आनय ५ वेष्टे र्वा जिथानि र्वा नयेः महात्मे छ देमा मे इः कनमाव तेतन
 नकाहिके । महत्तुथागेमासि महापाणिमवो उरिः विष्टो नुसे थरुहे र्वा किर ५ वेष्टे र्वा र्वा म्पुसात ।
 २ वमत्तुत्तु उ म्पुसात = आनुनिताहावमर्शिनये । अनिमावश्चादि किरि = मिदिमर्योपाचनेषेः किके बो
 मत्तुवपुनमर्श ५ महत्तुदेव उरुत = महत्तुवदेव मत्तु = मवासे नामक उ उरुत । ३१३ र्वा म्पुसात
 नसमामिदि र्वा नात्र = वेष्टे र्वा वे मो विष्टो र्वा वरुवन ५ इत्तुव मेथात र्वा म्पुः मत्तुवे र्वा र्वा म्पुसात = मत्तुमे र्वा
 म्पुसात र्वा वन । मत्तुव म्पुसात र्वा म्पुसात = अथ म्पुसात र्वा म्पुसात = अथिमानि हे वा र्वा म्पुसात = ५ मुनि र्वा म्पुसात
 इ इ मो वेद र्वा र्वा म्पुसात र्वा म्पुसात = ~~म~~ र्वा म्पुसात र्वा म्पुसात र्वा म्पुसात = ५ अथिमानि ता र्वा म्पुसात = ३

विदाश्चरुगविदुः श्रानाद्धे विनाद्वेषिहासिकप्रकृति - ५ वाङ्मयास्योपश्रुयने प्रकृत्यास्यसिबन्धन
 निरुत्तमानेकविषयेप्रगति । अनासायुः ~~सुख~~ सुखकृत्तन उष्टानसुखनदनेन मुख्येन्द्रमामता
 आतिः ५ अष्टानथाकारनामे दीव्युष्टानमिच्छास्य मानुमश्रीमवातेववाह । मायुप्रकृत्यामत्रुनः
 गाढरुनेकविषुन तेवेतकिवादिवेकारु ५ मरुनेन गाढसुखतः मायुमेवाश्रयितः श्रावणवेमिष्ठा
 श्रानकामः । द्विजुष्टु देवेगार्हः श्रानमतेगतिनार्हः मयनेपुष्किशोकामबाम ५ उदपः ५ श्रातश्रनसु
 रेश्वरितुः शुनियोकदिश्रामनचितः कृष्मिसेपुदश्रानन्ददेवतपुष्टु । नमोदश्रमामिप्रकृदेव
 तश्रुपदेसुखसुखाश्रुगकबोमेवः सुखदामोदवनारुति उमिमहाश्रु ५ अनादिकश्रुजाणेपार्श
 दूष्मिष्ठाश्रुतेवमारुः श्रुषिकादिश्रुदिशोकप्राणश्रुतेनार्ह । हेनश्रानिप्रकृत्तानिन्तु - तान्यथातिश्रु
 उश्रुमिमिनतुः श्रावश्रानेमनेश्रुनियोकश्रुतिपार्ह - ५ श्रुष्टिकश्रुदिनिबन्धनः प्रायतिप्रकृष्ट -

इदं चणः शक्तिमद्विमतसुकरपेतेनार्यभः । मर्द्धप्रथमद्वेनेनतेना मर्द्धाकपतेवेतेनः शुष्किकाश्चो
वेप्रकाशिन्याः तातृष्टोहारेप्रकाशप्रवधुशोष ५ तानमादप्रथानामेमीषः प्रवधुशोषाठेवाठतावः
एतेकेमोनामाबदततेनप्रधान । प्रथमवशक्तिजनिविद्याः वक्तुनप्रकृषुविवाशः थकावनामप्रधुशो
१० वमाकनप्रधान ५ निर्भुनश्चद्वबतिनिगुल-तिनिनामकप्रतिनिकनेः शुष्कित्तिश्चुतिनिकमाशयत
एनशक्तिमानजिवतन शक्तिमादिनिहिनमनातनः निभुनकतिनिकनेमदायामेवसु ॥ एनमश्चतदे
इमेर- एनतिप्रकृषेगावमेरः केवलप्रथानादिविषुयानिभुनप्रवि । एनप्रतिविभुतीवितत शुष्किया
ताजेनकनगत- निहिनिकमादोशोमाः मावतुश्चोलाष ५ मस्तुमोक्तमेरादमेवावाविः
प्रकप्रधानियाश्चुतिविः तीवसेमुक्ततकतनहोशवः मेरमेरकवतावविः तीवमिबुप्रक

मिच्छन् विप्रं वाहिवेति तत्र प्रकथं तावेच्छन् ५ जीवाद्यामेव कल्पमान्ताः शुक्ललोष्ठान् प्रच्छन्
नामे देहश्च शक्तिश्चार्थान् विच्छन् । अक्षरानन्दमसृजन् कल्पं तावेच्छन् । आत्माश्च
अत्रेदमसृजन् तत्रामिच्छन् ५ निश्चिन्तयन् कल्पनादिभिः । उद्यानिनेष्याविकल्पयन् । सुवकीर्तनमसृजन् महाक
वन्त । शक्तिश्च ननामसृजन् कल्पयन् । न कल्पयन् महादेवस्य । मन्त्रमुक्तिमुक्तिविहितं अक्षरानन्दम् । आप
नन्दानन्दमप्येच्छन् । ऐतन्न्यनन्दमसृजन् कल्पयन् निश्चिन्तयन् अक्षरमसृजन् महागोपयन् । मदानन्दमप्येच्छन्
कः । निवामयानिवाकाश्चकारः । सुकृष्णसुखान् आत्माश्च सुमनात्तनः । मप्येत्तन्मप्येच्छन् । उद्यन्त
अच्छान्तेदनात् । आनन्दतनिश्चिन्तयन् अद्वयमायनात् । अनन्तत आदिमायनात् । ऐतन्न्यतकठोरानात् । निष्
सुखसुखैकेवलमसृजन् महादत्तः । सुखसुखमायनात् । सुखसुखविनिगातिमन्त्रं । आदिमायनात् ऐतन्न्यतक

২
১১

কমোষ। নাবাথনেদ্যস্তকক্যশ্রী: ক্রুদযনশ্রুতকতিচাদ-চাযিযৌবেদববুহুইতোবিমেষু
গাতিদ্রুতশ্রুতকিয়াহিন: গাতিদ্রুতশ্রুতকিয়াহিন: প্রাপকুমু^মবগকনবিগ্ননকন। ৩খানিতকক
দযাদগবি: ইচ্ছামককঅর্থকনকবি: উকাম্যেহোরভুমহুতকনিবিক্তন ॥ মধ্যমনমাবিকচাবিক্ত
ক: মাংসচকাদাকার্থযুজ: দীর্ঘিচিন্দ্রুতকটাবহাভজাতিকক। খীবংখকোতুতবনমান্য
অন্যকককশ্রুতকযাশিকন্যা: গকুডবাহননীতার্থকনিবিকারদ এহিমৈদ্যস্তকইচ্ছাময়: কন
চিক্তিবিকত্রাতিময়: বাহিষেতিতবেদোযিবিকত্রময়:। জেবেভেলএকমমুদার্থ: অদ্বৈততাবত
অথার্থ: তেবেমোনিয়ানিমুক্তিকবাএহোয়দ ইষিমৈহাতমানিজবক: ইষিমৈমাবনদপাষমি
ক: ইষিমৈবিনেআনখবস্তুতখবাবন। এহিহুতভাবককিমল: গোবিন্দকাতজাঅনুফনে: আনকা

২৩৩৩৩৩৩৩

मवादिदशविंशत्योहाविंशत्युत्तमः ५ आतनये आनसुकिनाथः मयस्यमापुतदेमाताथः उक्त्वावाक्कयविद
ह्यर्थाभोमतिः सुविगति १ पुनास्यस्यमिपुकेधोमावः उवमागवतहमोनाथः एहिर्गुलिमोनेवे
लोत्तुत्तुदेव्यमति-५ १ पुनामातामदनसवतः चयमोटाठोवहुषोनितः नदिवेगोसठडाक्केकेण
ठास्यथाव- । मवरिमाकेठोकेकेनेठारिः वनवाङ्गिमागिमासेठारिः नेदोमिमाथनपार्थवाकानि
मासापुत-५ नतातधविशाताजेवेरुः मिधाणेककवेकाभोवर्तः आनतसेवतेअनसस्योगि
जाठ १ सुयैवउदयजेवेरुः मवणेआनददुवदुर्तः कण्ठतठुठायातमेअथेकामठमर्तः आते
पुनिमीवठदुवाग्नीः अमृतनागिमितिमातः आनददमउमादिआमथेवहुत्तु । एतेकेरुंकयावुंदिवा
दिः सुयैवतामकसववामादिः यदिअमृतकमनेआमाकावठिउ ५ नमोनमोदेयदामोदध- :

নবমানন্দকবচোম্বয়ঃ পুরুষোত্তমবচনে কথোম্বয়মে যো ময়ন । নমো দেবদেবানামস্তু
 তানকারিনাতিচন্দ্রবদন্তঃ নিজেয়ুৰুদ্যোম্বয়কমাদ্যোম্বয়ন-৫ মোকানবক্রমিমেভ্যত
 শুভোম্বয়নমেভ্যেভ্যত মোম্বয়দেভ্যনামিত্তাঙ্কিঅষ্টানহাসিনাম । কস্যাজকামোদগমা
 বিদ্যাতঃ তামিমেস্থানগতিনাম্ । নিবৃত্তেনেভ্যেদুসিহোঁকস্যামস্বাম ৫৭৭ পঃ ৫ এত্বেয়া

দী৩৩ - ৩৩ - ৫